" बिहार में जनसंख्या घनत्व एवं वितरण *(Density And Distribution Of Population In Bihar)* "

Geography (Hons),Tdc Part-3,
Paper-6, Unit- 3,
By
Vidyanand Kumar
Head Department of Geography
Narayan College, Goreakothi, Siwan

बिहार भारत का तृतीय तथा पश्चिमी बंगाल के बाद दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है तथा घनत्व के विचार से प्रथम है। बिहार का कुल क्षेत्रफल *94163* वर्ग किलोमीटर है। यह भारत के कुल क्षेत्रफल के *42.36%* भूभाग पर फैला हुआ है। यहाँ *2011* की जनगणना के अनुसार *10.38* करोड़ *(8.58%)* मनुष्य निवास करते हैं। यहाँ क्षेत्रफल के अनुपात में जनसंख्या का भार अधिक है। यहाँ *1102* व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर निवास करते हैं तथा एक हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या *916* एवं साक्षरता *63.82%* है।

जनसख्या का वितरण तथा घनत्व *(Distribution and Density of Population)* : इस राज्य में जनसंख्या का वितरण प्राकृतिक, सामाजिक, जनांकिकीय, राजनैतिक तथा ऐतिहासिक कारकों द्वारा नियंत्रित है। *2011* की जनगणना के अनुसार भारत का औसत घनत्व *382* है, जबकि बिहार का *1102* है। *1991* की जनगणना के अनुसार बिहार में *685* व्यक्ति प्रति वर्ग कि०मी० निवास करते थे, जबकि *2001* में *880* व्यक्ति तथा *2011* में *1102* व्यक्ति प्रति वर्ग कि०मी० निवास करते हैं।

इससे स्पष्ट होता है कि लगभग तीन दशकों में जनसंख्या में अधिक वृद्धि हुई है। यद्यपि झारखण्ड से बिहार को अलग होने के बाद ऊर्जा, खनिज एवं अन्य संसाधनों की कमी हुई है। परन्तु उस अनुपात में मानव संसाधन का अधिकांश हिस्सा बिहार को प्राप्त हुआ है। यही कारण है कि इस राज्य में प्रति हेक्टेयर कृषि भूमि पर जनसंख्या का भार अधिक है। जनसंख्या के घनत्व की दृष्टि से भारत के *28* राज्यों में बिहार का स्थान प्रथम है। भारत के औसत घनत्व की तुलना में बिहार में जनसंख्या के घनत्व में अधिक वृद्धि हुई है। *2001* में भारत में औसत जनसंख्या का घनत्व *325* था जो *2011* में बढ़कर *382* हो गया। इस प्रकार देश के औसत घनत्व में अपेक्षाकृत कम वृद्धि हुई है, जबकि बिहार में अधिक वृद्धि हुई है।

2001 की जनगणना के अनुसार पटना जिला में जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक था, परन्तु *2011* की जनगणना के अनुसार शिवहर बिहार का सबसे सघन जनसंख्या वाला जिला है तथा पटना का स्थान दूसरा है। शिवहर में *1882*, पटना में *1803* एवं दरभंगा में *1721* व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर निवास करते हैं।

जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से बिहार राज्य को निम्नवर्गों में विभाजित किया जा सकता है -

1. **सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाले जिले** *(Very high populated Districts)*:- सर्वाधिक जनसंख्या केन्द्रीत वाले जिलों में शिवहर *(1882)*, पटना *(1803)*, दरभंगा *(1721)*, वैशाली *(1717)*, बेगूसराय *(1540)*, मुजफ्फरपुर *(1506)*, सीवान *(1495)*, सारण *(1493)*, सीतामढ़ी *(1491)*, समस्तीपुर *(1465)*, पूर्वी चम्पारण *(1281)*, मधुबनी *(1279)*, गोपालगंज *(1258)*, नालन्दा *(1220)*, जहानाबाद *(1206)* आदि हैं।

उपरोक्त जिलों में *1200* व्यक्ति प्रतिवर्ग कि०मी० से अधिक जनसंख्या निवास करती है। इन जिलों में सर्वाधिक घनत्व होने का मुख्य कारण कृषि के लिए उपयुक्त भूमि, गहन कृषि पद्धति, मानव बसाव के लिए अन्य आवश्यक सुविधाएँ, पुराने बसाव केन्द्र आदि है। पटना महानगर की जनसंख्या के कारण *2001* में पटना जिला में जनसंख्या अधिक दर्ज की गई, परन्तु *2011* की जनगणना के अनुसार शिवहर जिला का स्थान प्रथम हो गया। शिवहर जिला का क्षेत्रफल बहुत कम है, तथा घनीभूत बस्तियों का घनत्व अपेक्षाकृत अधिक है। उपयुक्त सुविधाओं के कारण यहाँ प्रति

वर्ग कि०मी० जनसंख्या का घनत्व *1882* है। इससे स्पष्ट होता है कि इन जिलों में क्षेत्रफल की तुलना में जनसंख्या का भार अपेक्षाकृत अधिक है। *1991* एवं *2001* की जनगणना के अनुपात में इन जिलों में जनसंख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

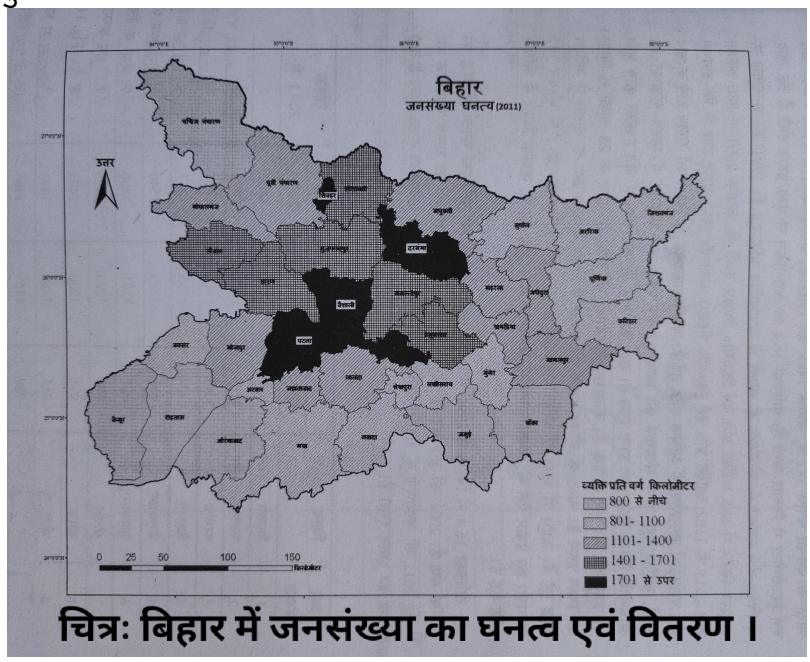

चित्रः बिहार में जनसंख्या का घनत्व एवं वितरण ।

2. **मध्यम जनसंख्या घनत्व वाले जिले** *(Moderate populated districts)* :- इस वर्ग के अन्तर्गत उन जिलों को सम्मिलित किया गया है, जहाँ *2011* की जनगणना के अनुसार जनसंख्या का घनत्व प्रतिवर्ग कि०मी० *800* से *1200* व्यक्ति है। इनमें भागलपुर *(1180)*, भोजपुर *(1136)*, सहरसा *(1125)*, मधेपुरा *(1116)*, खगड़िया *(1115)*, अरवल *(1092)*, पूर्णिया *(1014)*, कटिहार *(1004)*, बक्सर *(1103)*, अररिया *(992)*, मुंगेर *(958)*, शेखपुरा *(922)*, आदि जिले उल्लेखनीय हैं। इन जिलों के अलावा किशनगंज एवं सुपौल *(898)*, नवादा *(889)*, गया *(880)*, लखीसराय *(815)*, आदि जिलों में मध्यम जनसंख्या का घनत्व पाया जाता है। उपरोक्त सभी जिलों में *1991* एवं *2001* की तुलना में अत्यधिक जनसंख्या में वृद्धि हुई है।

3. **कम जनसंख्या घनत्व वाले जिले** *(less populated districts)*:- इन जिलों में विषम धारातलीय परिस्थितियाँ पायी जाती हैं तथा कृषि योग्य भूमि की मात्रा अपेक्षाकृत कुछ कम है। यहाँ क्षेत्रफल के अनुपात में जनसंख्या कम पायी जाती है। पहाड़ी-पठारी भागों में आवागमन का अभाव है। इस वर्ग में सम्मिलित होने वाले जिलों में जनसंख्या का घनत्व *800* व्यक्ति प्रति वर्ग कि०मी० से कम है, अर्थात् प्रति वर्ग कि०मी० *800* से कम व्यक्ति निवास करते हैं। *2011* की जनगणना के अनुसार इस वर्ग में आने वाले जिलों में मुख्य रूप से रोहतास *(763)*, औरंगाबाद *(760)*, पश्चिमी चम्पारण *(750)*, बांका *(672)*, जमुई *(567)* तथा कैमूर *(488)* को सम्मिलित किया जा सकता है। इन जिलों में भी *1991* एवं *2001* की तुलना में जनसंख्या के घनत्व में अत्यधिक वृद्धि हुई है।